भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4615** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 28 मार्च, 2025/7 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है

एक राष्ट्र एक पत्तन

†4615. श्री पी. पी. चौधरी :
श्री भर्तृहरि महताब :
श्री बसवराज बोम्मई :
श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्रीमती कमलजीत सहरावत :
डॉ. भोला सिंह :
श्री प्रवीण पटेल :
श्री प्रदीप कुमार सिंह :
श्री दामोदर अग्रवाल :
श्री बिद्युत बरन महतो :
श्री दिनेशभाई मकवाणा :
श्री अरुण गोविल :
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी :
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा :
श्री लुम्बाराम चौधरी :
श्री दिलीप शइकीया :
श्री जनार्दन मिश्रा :
सुश्री कंगना रनौत :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने "एक राष्ट्र एक पत्तन" पहल शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस नई पहल का उद्देश्य किस प्रकार भारत के प्रमुख पत्तनों पर प्रलेखन और प्रक्रियागत कार्यों में विसंगतियों को दूर करना और प्रचालन को सुव्यवस्थित करना है और इसके पूर्ण एकीकरण की क्या समय-सीमा है;

(ग) क्या इस पहल के माध्यम से हितधारकों के लिए अनुमानित लागत बचत के संबंध में कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो संभार तंत्र संबंधी लागत और निर्माणाधीन समय में क्या कमी का अनुमान है;

(घ) क्या पत्तन प्रलेखन और प्रक्रियागत कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए कोई डिजिटलीकरण और स्वचालन प्रणाली विकसित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या इस पहल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए कोई प्रदर्शन संबंधी मानदंड स्थापित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अब तक क्या सुधार हुए हैं; और

(च) सरकार द्वारा देश में समुद्री क्षेत्र में दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): जी, हां। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने 'एक राष्ट्र एक पत्तन प्रक्रिया (ओएनओपी)' पहल शुरू की है, जिसमें पत्तन प्रक्रियाओं और दस्तावेज़ीकरण का खाका तैयार करने और उसका मानकीकरण करने पर फोकस किया गया है। इसमें सभी महापत्तनों में पत्तन मूल्य श्रृंखला के भीतर आदान-प्रदान की जाने वाली मौजूदा प्रक्रियाओं और दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा करना शामिल है, जिसमें कंटेनर, ड्राई बल्क और लिक्विड बल्क सहित कार्गो के विभिन्न प्रकार, साथ ही निर्यात-आयात, ट्रांसशिपमेंट और तटीय प्रचालनों जैसी विभिन्न गतिविधि श्रेणियां शामिल हैं। ओएनओपी पहल के कार्यान्वयन से दस्तावेज़ीकरण की प्रक्रिया में लगने वाले समय में कमी आएगी जिससे फिर आगे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल - मैरीन (एनएलपी-मरीन) के माध्यम से पत्तन प्रक्रियाओं और दस्तावेज़ीकरण के डिजिटलीकरण और स्वचालन को प्राथमिकता दी है, जिसमें पत्तन प्रचालन प्रणाली के रूप में एंटरप्राइज बिजनेस सिस्टम (ईबीएस) को भी जोड़ा गया है।

(ङ): महापत्तनों पर ओएनओपी पहलों के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए समीक्षा की गई, जिसमें पत्तन प्रक्रिया दस्तावेजीकरण में पर्याप्त सुधार देखा गया।

(च): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने समुद्री क्षेत्र में पत्तनों की दक्षता और प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं जिनमें नए पत्तनों, टर्मिनलों और बर्थों का विकास, आधुनिकीकरण, मशीनीकरण, डिजिटलीकरण, सड़क और रेल के लिए संपर्कता अवसंरचना का विकास आदि शामिल हैं। इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारतीय पत्तनों की दक्षता और प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के लिए "सागर आंकलन" दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

****